GOODS AND SERVICES TAX NETWORK

Press Release

New enhancement allows downloading E-Way bills for one month period in one go

- The facility was earlier available for the period of 5-days interval.
- User can download E-way bill using the Reports tab in E-way bill portal
- The facility is aimed to provide relief to taxpayers and transporters

New Delhi, 18th September 2020: E-way bill, a document, which is generated for the movement of goods, can now be downloaded for the last one month period with a single click. This facility has been made available on the Eway bill portal run by National Informatics Centre (NIC).Till recently, the taxpayers or transporters could download e-waybills generated by them for a limited period of 5-days interval. This was causing hardship as the taxpayers had to download the e-waybills multiple times in amonth. Suggestions were received from taxpayers to increase the number of days for which E-way bills could be downloaded.

Keeping in view the demand of taxpayers, the system has been enhanced to enable the download of e-waybills for a longer period, that is, for one month. Taxpayers can now make use of this facility to download the e-waybills in excel format and use in their systems. This facility is presently available daily between 8 AM to 12 noon so as to ensure that performance of the e-way system is not impacted for regular activities of the e-way bill system.

Transporters can continue using the same path as they were doing before for downloading of E-way bills, i.e.

Visit E-way bill portal (https://ewaybillgst.gov.in/) >> Fill login credentials >> Go the Reports tab >> Download E-way bills from My E-way bill Report.

E-way bill is required to be generated by a registered GST taxpayer for the movement of goods if the value of the consignment is more than Rs. 50,000 for inter-state movement. For intra-state movement, limits vary from state to state.

E-Way bill generations over the months in 2020 (up to 13th Sep 2020)

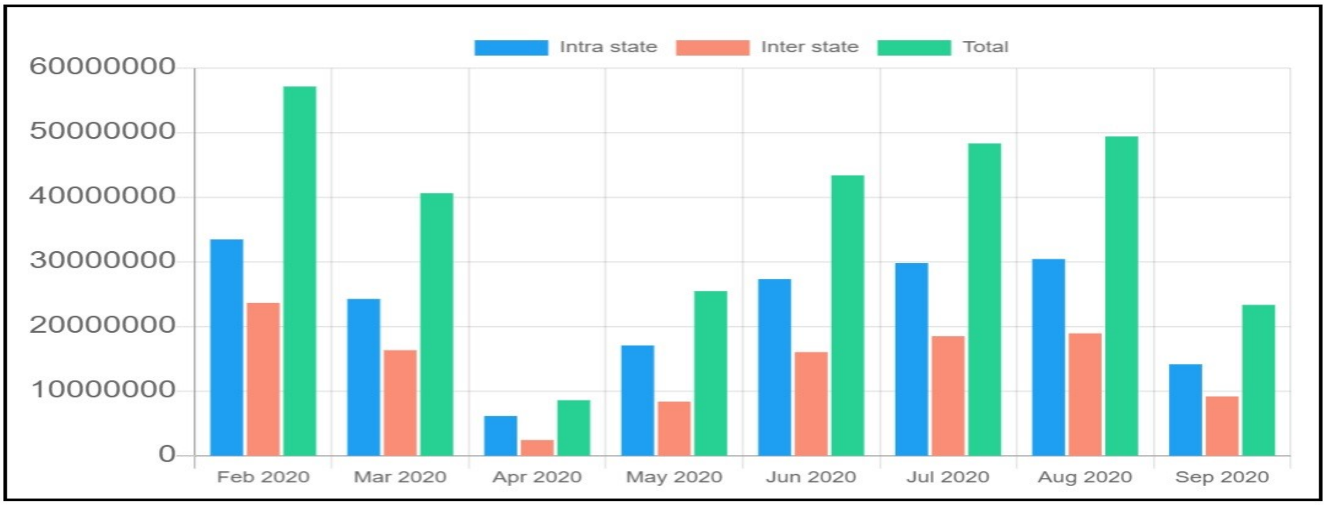

It is notable that the e-waybill system has been running smoothly from April 2018 and generating 5+ Crores of e-waybills on monthly average. The lockdown period between April-May 2020 saw a major slump in the e-waybills generation indicating non-movement of goods. However, from the month of June-2020 the number of e-waybills is gradually picking up and it has reached the normal number of e-way bill generation during this month.

GOODS AND SERVICES TAX NETWORK

Press Release

नई सुविधा से एक बार में एक माह की अवधि तक के E-Way बिल डाउनलोड करना संभव

- पहले एक बार में 5 दिन तक के ई-वे बिल ही डाउनलोड कर सकते थे
- उपभोक्ता ई-वेबिल पोर्टल पर रिपोर्ट्स टैब से ई-वेबिल डाउनलोड कर सकते हैं
- इस सुविधा का उद्देश्य टैक्सपेयरों और ट्रांसपोर्टरों को लाभ पहुँचाना है

नई दिल्ली, 18 सितम्बर 2020: अब पिछले एक माह की अवधि तक के ई-वेबिल्स (एक डॉक्यूमेंट जो कि माल के आवागमन के लिए जेनरेट किया जाता है) केवल एक क्लिक पर डाउनलोड किये जा सकते है| यह सुविधा ई-वे बिल पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है, जो राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा संचालित की जाती है। इससे पहले,करदाताओं और ट्रांसपोर्टरों को एक बार में 5 दिन की सीमित अवधि के ही ई-वे बिल डाउनलोड करने की सुविधा थी। इस कारण उन्हें कई कठिनाइयां उत्पन्न हो रही थीं। चूँकि करदाताओं को एक महीने में कई बार ई-वे बिल डाउनलोड करना होता है, इसलिए कई करदाताओं ने ई-वे बिल डाउनलोड करने के लिए समयावधि को बढ़ाने की सलाह दी थी|

करदाताओं की मांग को ध्यान में रखते हुए इस प्रणाली को बेहतर किया गया है, जिसके बाद अब वेएक बार में एक महीने तक का ई-वे बिल डाउनलोड कर सकेंगे। करदाता ई-वे बिल को एक्सेल फॉर्मेट में डाउनलोड कर सकते हैं। यह सुविधा वर्तमान में रोजाना सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच उपलब्ध होगी जिससे ई-वे प्रणाली पर अपने अन्य दैनिक कार्यों के वहन के दौरान दबाव न पड़े|

ट्रांसपोर्टर ई-वे बिल्स डाउनलोड करने के लिए उसी पाथ का इस्तेमाल कर सकते हैं जो वो पहले किया करते थे| ई-वे बिल पोर्टल पर जायें

(https://ewaybillgst.gov.in/)>>लॉग इन क्रेडेन्शियल्स भरें>>रिपोर्ट्स टैब पर जायें>>माई ई-वेबिल रिपोर्ट से ई-वे बिल डाउनलोड करें|

अंतर्राज्यीय आवागमन के लिए, अगर वस्तुओं का मूल्य 50,000 रुपयों से अधिक है, तो ई-वे बिल जेनेरेट करना एक पंजीकृत जीएसटी करदाता के लिए ज़रूरी है| एक ही राज्य में माल के आवागमन के लिए यह सीमा राज्यों के अनुसार अलग-अलग होती है|

साल 2020 के महीनों में हुई ई-वे बिल उत्पत्ति (13सितम्बर 2020 तक)

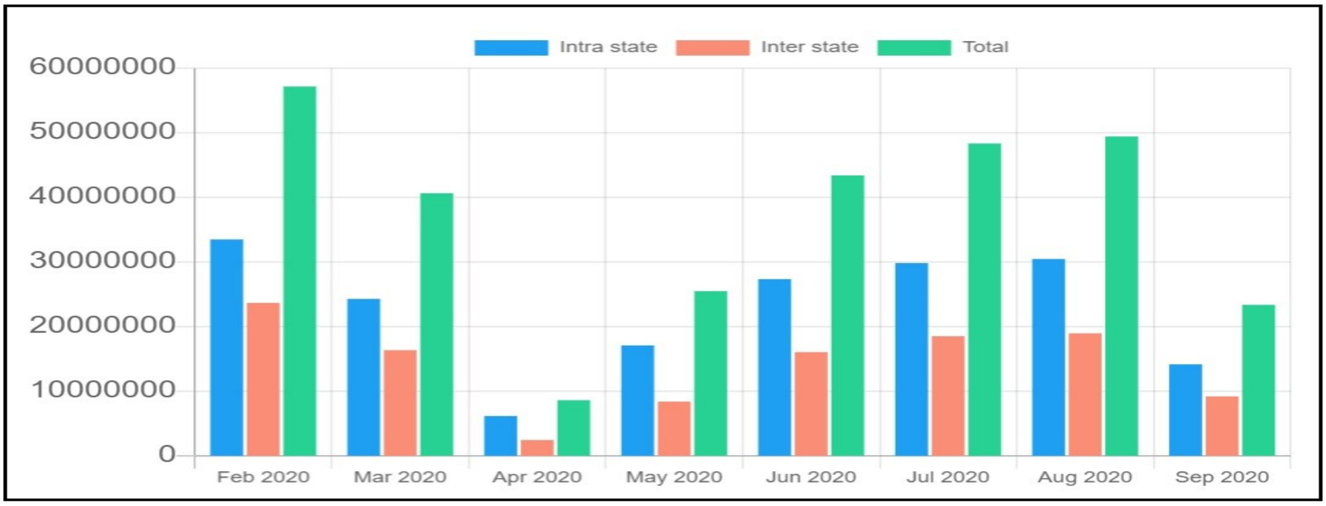

ग़ौरतलब है कि ई-वे बिल प्रणाली अप्रैल 2018 से सुचारू रूप से सेवा में है और प्रति माह 5 करोड़ से अधिक की दर से ई-वे बिल जेनेरेट हो रहे हैं। अप्रैल-मई 2020 के माह में हुए लॉकडाउन के दौरान ई-वे बिल्स जेनरेशन में भारी गिरावट दर्ज की गयी थी जो कि वस्तुओं की आवाजाही में आई कमी को दर्शाता है| परन्तु, जून-2020 से ई-वे बिल जेनेरेशन की संख्या में एक निरंतर बढ़त देखी गयी जिससे इस महीने यह वापस अपने सामान्य दर पर पहुँच गयी है|